Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
20 December

Quote of the Day

Result Mitra

जब इरादा बना लिया
ऊँची उड़ान का
फिर देखना फिजूल है
कद आसमान का।

Result Mitra

34 वां व्यास सम्मान

Result Mitra

34 वां व्यास सम्मान

चर्चा में क्यों?

- सूर्यबाला का "कौन देश को वासी: वेणु की डायरी" भारत-अमेरिका सांस्कृतिक संघर्ष पर आधारित है। इसमें प्रवासी भारतीयों की समस्याएं, सपने और समाज में उनके स्थान को गहराई से दर्शाया गया है।

Result Mitra

34 वां व्यास सम्मान

प्रमुख बिंदु:

- हिंदी लेखिका सूर्यबाला के उपन्यास "कौन देश को वासी: वेणु की डायरी" को 34वें व्यास सम्मान (2024) के लिए चुना गया।
- यह उपन्यास 2018 में प्रकाशित हुआ था।
- पुरस्कार में ₹4 लाख, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न शामिल हैं।

Daily Current Affairs

Result Mitra™

34 वां व्यास सम्मान

प्रमुख बिंदु:

- चयन समिति के अध्यक्ष प्रो. रामजी तिवारी हैं।
- सूर्यबाला का जन्म 1943 में वाराणसी, उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- उन्होंने हिंदी साहित्य में एमए और पीएचडी काशी विश्वविद्यालय से की।
- उन्होंने 50+ किताबें, उपन्यास और जीवनी लिखी हैं, कई कृतियां टीवी धारावाहिक के रूप में प्रसारित हुईं।

व्यास सम्मान स्थापना - 1991

किसके द्वारा - के.के. बिड़ला फाउंडेशन

पुरस्कार राशि - 4 लाख

प्रथम सम्मान => रामविलास शर्मा

Result Mitra

34 वां व्यास सम्मान

प्रमुख बिंदु:

- उपन्यास प्रवासी भारतीयों की सांस्कृतिक व वैचारिक संघर्ष और अमेरिका जाने के सपनों की चुनौतियों पर आधारित है।
- यह समाज और व्यक्तिगत अनुभवों को केंद्र में रखकर लिखा गया है।

व्यास सम्मान के बारे में

- स्थापना: व्यास सम्मान की स्थापना 1991 में केके बिड़ला फाउंडेशन द्वारा की गई।
- उद्देश्य: भारतीय नागरिक द्वारा पिछले 10 वर्षों में प्रकाशित उत्कृष्ट हिंदी साहित्यिक कृति को सम्मानित करना।
- पुरस्कार राशि: ₹4 लाख की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न।

Result Mitra

व्यास सम्मान के बारे में

- चयन प्रक्रिया: एक प्रतिष्ठित साहित्यकारों की समिति द्वारा कृति का चयन किया जाता है।
- प्रथम सम्मान: 1991 में प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार डॉ. रामविलास शर्मा को उनकी कृति भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी के लिए दिया गया।
- मुख्य विशेषताएं: यह सम्मान साहित्य में मौलिकता, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों पर केंद्रित होता है।

Result Mitra

व्यास सम्मान के बारे में

- महत्व: हिंदी साहित्य को बढ़ावा देने और उत्कृष्ट लेखन को प्रोत्साहन देने के लिए यह सम्मान अत्यंत प्रतिष्ठित माना जाता है।
- संस्थापक फाउंडेशन: केके बिड़ला फाउंडेशन अन्य दो प्रमुख साहित्यिक पुरस्कार, सरस्वती सम्मान और बिहारी पुरस्कार भी प्रदान करता है।

Result Mitra

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- किरण मजूमदार-शॉ, बायोकॉन समूह की अध्यक्ष, को जैव विज्ञान में योगदान के लिए जमशेदजी टाटा पुरस्कार मिला। उन्हें बायोकॉन को वैश्विक बायोफार्मा कंपनी बनाने और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सम्मानित किया गया।

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- बायोकॉन समूह की अध्यक्ष किरण मजूमदार-शॉ को जैव विज्ञान क्षेत्र में योगदान के लिए जमशेदजी टाटा पुरस्कार मिला।
- यह पुरस्कार ISQ वार्षिक सम्मेलन 2024 में दिया गया।
- शॉ को बायोकॉन को वैश्विक बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बनाने और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया।

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- ISQ अध्यक्ष जनक कुमार मेहता ने उनके योगदान को भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने वाला बताया।
- शॉ ने इसे जमशेदजी टाटा के औद्योगिक दृष्टिकोण से प्रेरित बताया।
- उन्हें पहले पद्मश्री (1989) और पद्मभूषण (2005) जैसे नागरिक सम्मान मिल चुके हैं।

Daily Current Affairs

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- वह ऑर्डर ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया और फ्रेंच लीजन ऑफ़ ऑनर से भी सम्मानित हो चुकी हैं।
- 2004 में स्थापित यह पुरस्कार पहले नंदन नीलेकणि और टी.वी. नरेंद्रन जैसे उद्योगपतियों को भी दिया गया है।

- जमशेद जी टाटा पुरस्कार
शुरुआत - 2004
वार्षिक

जमशेदजी टाटा पुरस्कार के बारे में

- स्थापना: जमशेद जी टाटा पुरस्कार की स्थापना 2004 में भारतीय गुणवत्ता सोसाइटी (ISQ) द्वारा की गई।
- उद्देश्य: उद्योग और समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए व्यक्तियों को सम्मानित करना।

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार के बारे में

- नामकरण: यह पुरस्कार जमशेद जी टाटा, भारतीय उद्योग के जनक, की स्मृति में दिया जाता है, जो उद्योग को समाज सुधार का साधन मानते थे।
- पुरस्कार समारोह: यह वार्षिक रूप से ISQ वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया जाता है।

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार के बारे में

चयन मापदंड:

- औद्योगिक नेतृत्व और नवाचार।
- समाज और देश पर सकारात्मक प्रभाव।
- उच्च गुणवत्ता और उत्कृष्टता को बढ़ावा।

जमशेदजी टाटा पुरस्कार के बारे में

प्रमुख प्राप्तकर्ता:

- नंदन नीलेकणि (इन्फोसिस)
- टी.वी. नरेंद्रन (टाटा स्टील)
- किरण मजूमदार-शॉ (बायोकॉन)

Result Mitra

जमशेदजी टाटा पुरस्कार के बारे में

- महत्व: यह पुरस्कार भारत की उद्योग परंपरा और समाज सुधार में उत्कृष्टता का प्रतीक है।
- यह पुरस्कार भारतीय उद्योग और सामाजिक नवाचार में जमशेद जी टाटा के योगदान को सम्मानित करता है।

Result Mitra

Result Mitra

भारत चीन संबंध और कैलाश मानसरोवर यात्रा

चर्चा में क्यों?

- भारत-चीन ने सीमा विवाद के समाधान और शांति बनाए रखने हेतु छह-सूत्रीय सहमति बनाई। इसमें धार्मिक यात्रा, व्यापार, और सीमा प्रबंधन को पुनः शुरू करने के साथ द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर व सकारात्मक दिशा में ले जाने पर सहमति हुई।

Result Mitra

भारत चीन संबंध और कैलाश मानसरोवर यात्रा

प्रमुख बिंदु:

- भारत-चीन ने 2020 के सीमा विवाद के बाद "छह सहमति" पर समझौता किया।
- कैलाश मानसरोवर यात्रा, नाथुला व्यापार और सीमा पार नदी सहयोग फिर से शुरू होंगे।
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में वार्ता हुई।

Result Mitra

भारत चीन संबंध और कैलाश मानसरोवर यात्रा

प्रमुख बिंदु:

- सीमा क्षेत्र में शांति बनाए रखने और विवाद का राजनीतिक दृष्टिकोण से समाधान करने पर जोर दिया गया।
- दोनों देशों ने अक्टूबर 2024 के नवीनतम डिसएंगेजमेंट समझौते को लागू करने की पुष्टि की।

Result Mitra

भारत चीन संबंध और कैलाश मानसरोवर यात्रा

प्रमुख बिंदु:

- सीमा विवाद के स्थायी समाधान के लिए 2005 के राजनीतिक दिशानिर्देशों के तहत बातचीत बढ़ाने की सहमति।
- सीमा प्रबंधन और विश्वास-निर्माण उपायों को मजबूत करने का निर्णय।
- 2025 में भारत में विशेष प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित करने की योजना।

Result Mitra

भारत चीन संबंध और कैलाश मानसरोवर यात्रा

प्रमुख बिंदु:

- द्विपक्षीय और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत-चीन संबंधों को मजबूत करने पर सहमति।
- दोनों देशों ने 75वीं वर्षगांठ पर संबंधों को नई दिशा देने की बात कही।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

1. ऐतिहासिक संबंध

- 1950: भारत ने चीन को मान्यता दी और तिब्बत पर चीन के दावे का समर्थन किया।
- 1962 युद्ध: सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के बीच संबंध खराब हुए।
- 1993-2013: सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, और आर्थिक सहयोग बढ़ा।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

2. 2013 के बाद संबंधों में बदलाव

- शी जिनपिंग की नीतियां: आक्रामक विदेश नीति, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI), और तकनीकी व सैन्य विस्तार।

भारत की चिंताएं:

- चीन की पाकिस्तान से नज़दीकी।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में चीनी सैन्य गतिविधियां।
- असमान व्यापारिक संतुलन।

Result Mitra

Result Mitra

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

3. वर्तमान समस्याएं

सीमा विवादः

- 2020 का गालवान संघर्ष।
- देपसांग और डेमचोक जैसे विवादित क्षेत्र।

राजनीतिक मतभेदः

- भारत का क्वाड में शामिल होना।
- चीन का BRI, जिसमें भारत ने भाग नहीं लिया।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

3. वर्तमान समस्याएं

आर्थिक मुद्दे:

- चीन के साथ भारत का बड़ा व्यापार घाटा।
- भारत में चीनी निवेश पर प्रतिबंध और ऐप्स पर बैन।

Result Mitra

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

4. भारत की प्रतिक्रिया:

रणनीतिक कदम:

- सीमा पर बुनियादी ढांचे का विकास।
- कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के माध्यम से समाधान की कोशिश।

आर्थिक रणनीति:

- 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत पहल।
- चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना।

Result Mitra

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

4. भारत की प्रतिक्रिया:

रणनीतिक साझेदारियां:

- अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया के साथ मजबूत संबंध।
- क्वाड और इंडो-पैसिफिक रणनीति को बढ़ावा।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

5. हालिया प्रगति:

डिसएंगेजमेंट:

- लद्दाख के 75% विवादित क्षेत्रों में बफर ज़ोन का निर्माण।
- राजनयिक और सैन्य वार्ता के माध्यम से समाधान की कोशिश।

सहयोग के क्षेत्र:

- कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली।
- सीमा व्यापार और नदी जल सहयोग पर वार्ता।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

स्थायी समाधान संवाद करना

6. आगे का रास्ता:

राजनयिक समाधान:

- सीमा विवाद पर स्थायी समाधान खोजने के लिए संवाद जारी रखना।

आर्थिक रणनीति:

- व्यापार असंतुलन कम करना और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देना।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

6. आगे का रास्ता:

सामरिक साझेदारी:

- वैश्विक मंचों पर प्रभावी भूमिका निभाना।

शांति और स्थिरता:

- सीमा पर शांति बनाए रखना ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हो सके।

भारत-चीन संबंधों का ऐतिहासिक और समकालीन परिदृश्य

निष्कर्ष:

- भारत-चीन संबंधों में कई चुनौतियां हैं, लेकिन आर्थिक और रणनीतिक महत्व को देखते हुए संवाद और सहयोग का मार्ग ही स्थायी समाधान है।

Result Mitra

Result Mitra

राखीगढ़ी

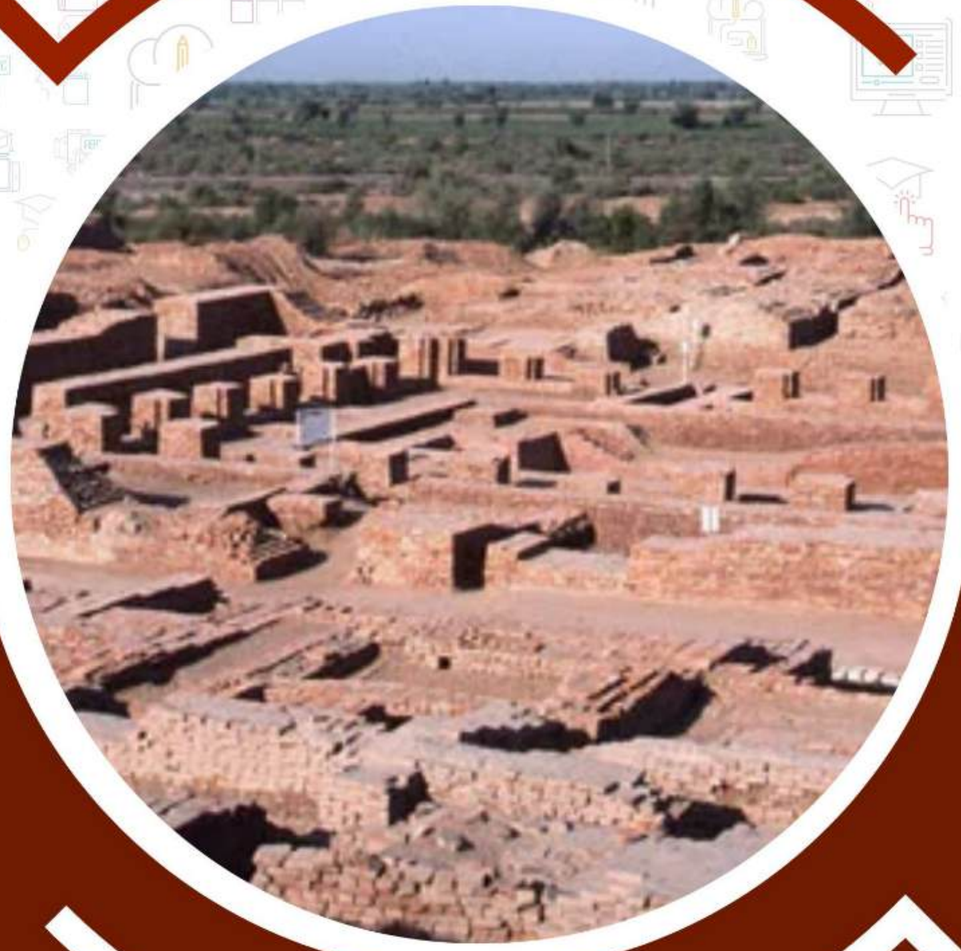

Result Mitra

राखीगढ़ी

चर्चा में क्यों?

संरक्षित

- राखीगढ़ी के हड़प्पा स्थल के दो और टीलों को संरक्षित घोषित किया गया जब तक भूमि अधिग्रहित नहीं की जाती, तब तक वहां खेती की अनुमति होगी, लेकिन टीले की खुदाई पर रोक होगी।

Result Mitra

राखीगढ़ी

प्रमुख बिंदु:

- राखीगढ़ी, हरियाणा के हिसार जिले में स्थित, भारत के दो बड़े हड़प्पा स्थलों में से एक है; दूसरा स्थल गुजरात का धोलावीरा है।
- केंद्र सरकार ने प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत राखीगढ़ी के टीला संख्या 6 और 7 को संरक्षित घोषित किया।

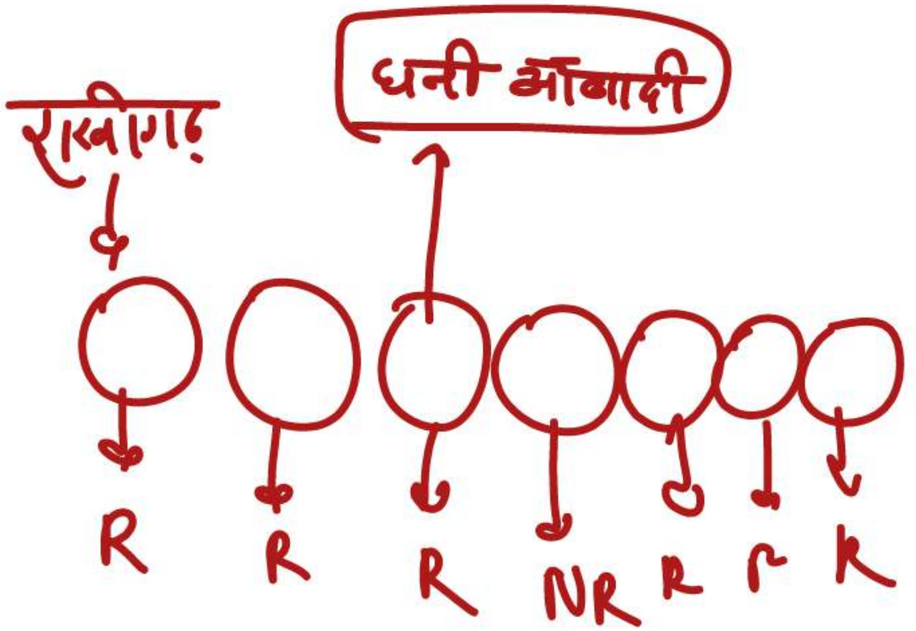

Result Mitra

राखीगढ़ी

प्रमुख बिंदु:

- कुल सात टीलों में से अब तक छह संरक्षित घोषित किए जा चुके हैं; टीला संख्या 4 घनी आबादी वाला होने के कारण संरक्षित नहीं किया गया।
- टीला 6 और 7 की भूमि (40.26 एकड़) सरकार अधिग्रहित करेगी, और किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

Result Mitra

राखीगढ़ी

प्रमुख बिंदु:

- भूमि अधिग्रहण तक खेती की अनुमति होगी, लेकिन मिट्टी काटने और गहराई में प्रवेश की मनाही होगी।
- टीला संख्या 7 पर 2005-06, 2015 और 2023 में खुदाई हो चुकी है; टीला 3 पर वर्तमान में खुदाई चल रही है।
- 2022 की खुदाई में घरों की संरचना, गलियां, जल निकासी प्रणाली और आभूषण निर्माण इकाई का पता चला।

Result Mitra

राखीगढ़ी

प्रमुख बिंदु:

- टीला संख्या 7 पर 5,000 वर्ष पुराने दो महिलाओं के कंकाल और अन्य अंतिम संस्कार से जुड़े अवशेष पाए गए।
- स्थल 2600-1900 ईसा पूर्व का है, जहां शहरी योजना के पहलुओं का पता लगाया जा रहा है।

राखीगढ़ी के बारे में अन्य तथ्य

- राखीगढ़ी सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्राचीन स्थल है, जो हरियाणा के हिसार जिले में अब सूख चुकी सरस्वती नदी के किनारे स्थित है।
- यह स्थल प्राचीन हरप्पन और प्राहरप्पन संस्कृतियों के महत्वपूर्ण अवशेष प्रदान करता है, जो इस क्षेत्र में विकसित थीं।

Result Mitra

राखीगढ़ी के बारे में अन्य तथ्य

- राखीगढ़ी भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता के पांच बड़े नगरों में से एक है। अन्य चार स्थल पाकिस्तान में हरप्पा, मोहनजोदड़ो, गणवीरिवाला और भारत में गुजरात के ढोलावीरा हैं।
- राखीगढ़ी, दिल्ली से लगभग 150 किमी उत्तर-पश्चिम में स्थित एक गांव और सिंधु घाटी सभ्यता का एक पुरातात्विक स्थल है। यह स्थल हिसार जिले के घग्गर-हकरा नदी के मैदान में स्थित है।

Result Mitra

राखीगढ़ी के बारे में अन्य तथ्य

- यह स्थल दो गांवों, राखी शाहपुर और राखी खास से मिलकर बना है, जिसमें नौ टीले शामिल हैं, जिनमें से दो—टीला 4 और 5—घनी आबादी वाले हैं।
- यह स्थल सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व चरण (2600-1900 ईसा पूर्व) से संबंधित है। राखीगढ़ी में सिंधु घाटी सभ्यता के प्रारंभिक, परिपक्व और अंतिम चरणों के तीन परतें पाई गई हैं।

Result Mitra

राखीगढ़ी के बारे में अन्य तथ्य

महत्वपूर्ण खोजें

- डीएनए विश्लेषण से यह सिद्ध हुआ कि यहां के निवासी अन्य पूर्वीय समुदायों से अलग थे।
- नगर नियोजन: बस्तियाँ मिट्टी और जलाए गए ईंटों से बनीं, जिनमें जल निकासी और स्वच्छता व्यवस्था थी।
- लापिडरी: स्टीटाइट, शंख और कार्नेलियन से बनी वस्तुएं मिलीं, जो व्यापार के संकेत हैं।

Result Mitra

राखीगढ़ी के बारे में अन्य तथ्य

महत्वपूर्ण खोजें

- गोदाम: सात कक्षों वाला गोदाम, चूने और सड़े हुए अनाज के अवशेषों के साथ।
- रिचुअल्स और दफनाने की प्रक्रिया: आग के वेदी और पशु बलि के संकेत मिले।
- मिट्टी के बर्तन और मुहरें: मगरमच्छ प्रतीक वाली मुहर और सिंधु घाटी के अक्षरों वाली अन्य वस्तुएं मिलीं।

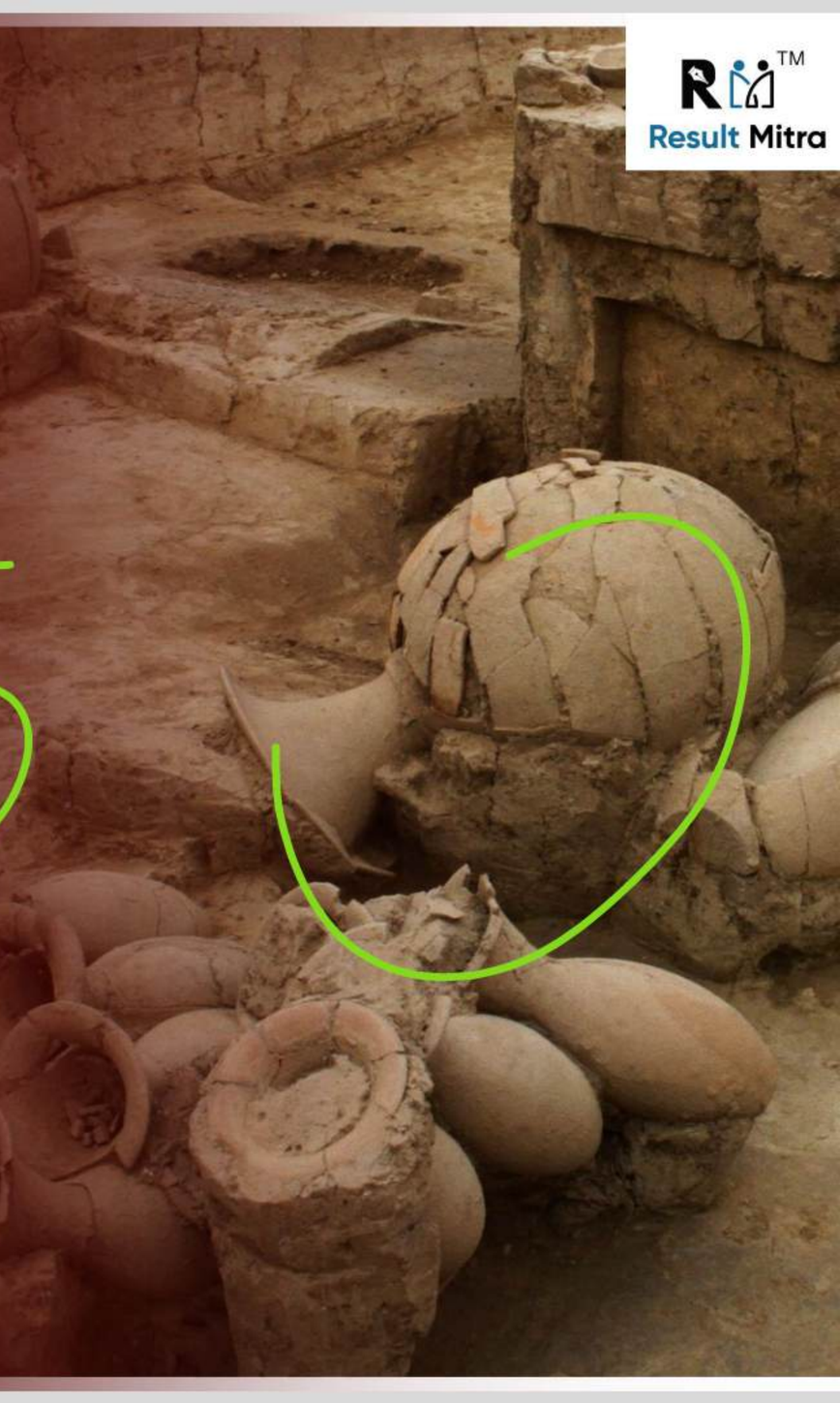

Result Mitra

राखीगढ़ी के बारे में अन्य तथ्य

महत्वपूर्ण खोजें

- इसके अतिरिक्त विभिन्न प्राचीन वस्तुएं जैसे बलेड्स, शंख के कड़े, पत्थर के मनके, पशु आकृतियाँ और तांबे के उपकरण भी मिले।
- लाल मिट्टी के बर्तन में स्टैंड पर रखे गए बर्तन, फूलदान, जार, कटोरे, गिलास, छिद्रित बर्तन, गॉब्लेट्स और हैंडल्स शामिल थे।

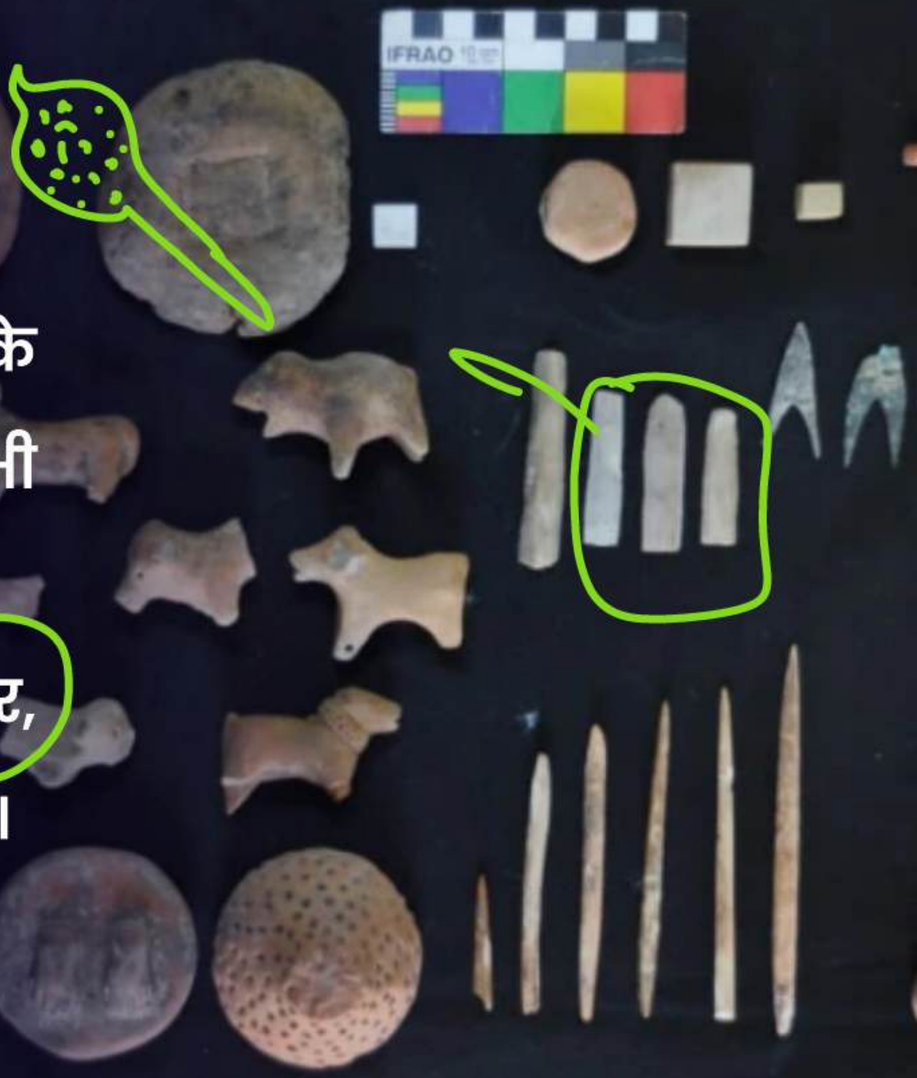

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- Baishnab Charan Samal को उनकी पुस्तक 'Bhuti Bhakti Bibhuti' के लिए केंद्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार मिलेगा। समल ने ओडिया संस्कृति, जगन्नाथ की चेतना और अस्मिता पर गहन विचार व्यक्त किए हैं।

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- Baishnab Charan Samal को उनकी निबंधों की पुस्तक 'Bhuti Bhakti Bibhuti' के लिए इस साल केंद्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त होगा।
- अकादमी ने बुधवार को 21 भाषाओं में पुरस्कार की घोषणा की, जिसमें आठ कविताओं की पुस्तकें, एक नाटक और एक शोध, तीन साहित्यिक आलोचनाएं, तीन उपन्यास और तीन निबंध शामिल हैं।

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- 'Bhuti Bhakti Bibhuti' 2020 में प्रकाशित हुई, यह पुस्तक जगन्नाथ और उनकी चेतना के सार्वभौमिक स्वीकृति से संबंधित आध्यात्मिक अहंकार पर आधारित है।
- समल ने कहा, "मैंने इस पुस्तक में मानव विचारधारा, 'भूमि' और ओडिया संस्कृति पर निबंध लिखे हैं।"

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- समल, जो अपनी 80 के दशक के मध्य में हैं, को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक पट्टिका और एक शॉल नई दिल्ली में 8 मार्च को पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा।
- यह पुस्तक ओडिया भाषा में तीन सदस्यीय जूरी द्वारा चयनित की गई थी। जूरी में लेखक देवदास छोत्राय, संतानु कुमार आचार्य और परमिता सत्पथी शामिल थे।

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- समल ने उत्कल विश्वविद्यालय और विश्व भारती में प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त होकर 160 से अधिक किताबें लिखी हैं, जिनमें आध्यात्मिकता, दर्शनशास्त्र और ओडिया पहचान पर फोकस किया गया है।
- समल निबंधों के अलावा आलोचक भी हैं और उनकी आत्मकथा 'Jane Banabatoi Ra Kahani' भी प्रकाशित हुई है।

Result Mitra

साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रमुख बिंदु:

- समल ने बताया कि वह वर्तमान में ओडिया 'अस्मिता' पर एक निबंधों की पुस्तक लिख रहे हैं जिसका शीर्षक 'Odisha Ra Asmita' है, जो एक महीने में प्रकाशित होगी।

साहित्य अकादमी पुरस्कार के बारे में

- साहित्य अकादमी पुरस्कार, अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमुख भारतीय भाषाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट साहित्यिक कृतियों के लिए दिया जाता है।
- अकादमी हर साल 24 पुरस्कार देती है, जो साहित्यिक कृतियों के लिए होती हैं, और समान संख्या में भारतीय भाषाओं से और भारतीय भाषाओं में किए गए साहित्यिक अनुवादों के लिए होती हैं।

साहित्य अकादमी पुरस्कार के बारे में

- भारतीय संविधान में उल्लिखित 22 भाषाओं के अलावा, साहित्य अकादमी ने अंग्रेजी और राजस्थानी को भी उन भाषाओं में शामिल किया है, जिनमें इसके कार्यक्रम लागू किए जा सकते हैं।
- पुरस्कार के रूप में एक ताम्र पट्टिका (जिस पर खुदाई की गई होती है), शॉल और 1,00,000 रुपये की राशि दी जाती है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार के बारे में

- साहित्य अकादमी का औपचारिक उद्घाटन भारत सरकार द्वारा 12 मार्च 1954 को किया गया था।
- साहित्य अकादमी, भारत का राष्ट्रीय साहित्यिक संस्थान है, जो देश में साहित्यिक संवाद, प्रकाशन और प्रचार के लिए केंद्रीय संस्था है और यह 24 भारतीय भाषाओं (अंग्रेजी सहित) में साहित्यिक गतिविधियाँ संचालित करता है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार के बारे में

- हालांकि यह संस्था सरकार द्वारा स्थापित की गई थी, पर साहित्य अकादमी एक स्वायत्त संगठन के रूप में काम करती है।
- इसे 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक समाज के रूप में पंजीकृत किया गया था।

Result Mitra

किसान कवच

Result Mitra

किसान कवच

चर्चा में क्यों?

किसानों

- किसान मजदूरों को रसायन से होने वाले नुकसानों से बचाने के लिए Department of Biotechnology (DBT) के वैज्ञानिकों ने 'किसान कवच' नामक एक एंटी-पेस्टिसाइड सूट विकसित किया है, जो कीटनाशकों से सुरक्षा प्रदान करता है।

Result Mitra

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- किसान कवच एक विशेष सूट है जो किसानों को कीटनाशकों से सुरक्षा प्रदान करता है।
- यह सूट ऑक्साइम फैब्रिक से बना है, जो किसी भी सामान्य कीटनाशक को रासायनिक रूप से विघटित कर देता है।
- सूट में ट्राउजर, पुलओवर, और फेस-कवर शामिल हैं।

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- यह सूट किसानों को शरीर में रसायन के प्रवेश से रोकता है, जिससे उनकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- प्रति सूट की कीमत ₹4,000 है।
- प्रवीण कुमार वेमुला और उनकी टीम ने इस सूट को inStem Bangalore में विकसित किया।

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- उन्होंने पाया कि किसानों और श्रमिकों के लिए सामान्य कपड़े की सुरक्षा नहीं होती, क्योंकि यह समय के साथ जहरीले रसायनों को शरीर में अवशोषित कर सकता है।
- कीटनाशक न्यूरोटॉक्सिन होते हैं जो इंसानों और कीटों के बीच फर्क नहीं करते।

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- एक फ़ील्ड सर्वे में 200 किसानों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि लंबे समय तक कीटनाशक छिड़काव से चक्कर, उल्टी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अध्ययन से यह सिद्ध हुआ कि कीटनाशकों के लगातार संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

Result Mitra

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- ऑक्सीम को कोटन फैब्रिक में मिलाकर एक 'एक्टिवेटेड फैब्रिक' तैयार किया गया।
- चूहों पर किए गए परीक्षणों से साबित हुआ कि 'किसान कवच' से सुरक्षा पाने वाले जानवर सुरक्षित रहे, जबकि सामान्य कपड़े से ढके जानवर मर गए।

Result Mitra

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- किसान कवच 150 धुलाई के बाद भी प्रभावी रहता है और इसे UV रौशनी और तापमान में उतार-चढ़ाव से भी कोई नुकसान नहीं होता।
- Sepio Health Pvt. Ltd. कंपनी इस सूट का उत्पादन करेगी।

किसान कवच : मुख्य बिंदु

- भारत में 61,000 टन कीटनाशक का उपयोग हुआ था।
- भारत में कुल 104 पेस्टिसाइड बनाए जाते हैं, जिनमें से 293 रजिस्टर किए गए हैं।

डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के बारे में

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत एक सक्रिय क्षेत्र है।
- इसने स्वास्थ्य, कृषि, भोजन और पोषण, जैव-ऊर्जा, और पर्यावरण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

Result Mitra

डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के बारे में

मुख्य कार्य:

पौधों पर शोध:

- ट्रांसजेनिक अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- कीट और रोग प्रतिरोधक क्षमता, पोषण गुणवत्ता, और पौधों के जीनोम विश्लेषण पर जोर देना।

Result Mitra

डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के बारे में

मुख्य कार्य:

स्वास्थ्य देखभाल:

- मानव आनुवंशिक विकारों पर अनुसंधान।
- मस्तिष्क अनुसंधान, और रोग-निदान किट और टीकों का व्यावसायीकरण।

Result Mitra

डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के बारे में

मुख्य कार्य:

अन्य क्षेत्र:

- जैव विविधता संरक्षण।
- खाद्य अनुसंधान।
- ग्रामीण क्षेत्रों और महिलाओं के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित विकास।

Result Mitra

Result Mitra

commitment → जो पढ़ाया जा रहा है उस पर focus कीजिए

Thank You